



॥ श्री सीता माता की आरती ॥
॥ श्री सीतारामचन्द्रार्पणमस्तु ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री सीता माता की आरती ॥

॥ ॐ जय सीता मैया, जय जनक दुलारी।
राम हृदय की शोभा, जग की पालनहारी॥ ॥
जय वैदेही माता, जय मिथिला रानी।
करुणा, प्रेम की गंगा, मंगलमय भवानी॥ ॥ ॐ जय...॥

भूमि से प्रकट हुई, जग की हितकारी।
भक्तों के संकट हरती, दीनन की रखवारी॥ ॥ ॐ जय...॥

राम संग वन आई, त्याग की मूरत।
धर्म, सत्य, मर्यादा की, जग में अनुपम सूरत॥ ॥ ॐ जय...॥

अशोक वाटिका में, धीरज अपनाया।
राम नाम का स्मरण कर, जीवन सफल बनाया॥ ॥ ॐ जय...॥

हनुमत को चूड़ामणि, प्रेम सहित दीन्हा।
राम मिलन का शुभ संदेश, जग को अमृत दीन्हा॥ ॥ ॐ जय...॥

लव-कुश की जननी, ममता की धारा।
सुख-समृद्धि की दात्री, करती भव से पारा॥ ॥ ॐ जय...॥

जो जन श्रद्धा से, आरती तेरी गावे।
सुख, सौभाग्य, शांति, वैभव सब कुछ पावे॥ ॥ ॐ जय...॥

दीनदयालु माता, चरणन शीश नवाऊँ।
सीताराम की कृपा से, भवसागर तर जाऊँ॥ ॥ ॐ जय...॥

॥ ॐ जय सीता मैया, जय जनक दुलारी।
राम हृदय की शोभा, जग की पालनहारी॥ ॥